# गजराज और हरा-भरा जंगल

Raunak Singh

एक हरा-भरा घना जंगल था, जहाँ हर तरह के जानवर खुशी से रहते थे। पेड़ चमकदार हरे थे, नदी साफ़ और नीली थी, और हर तरफ रंग-बिरंगे फूल खिले रहते थे।

उसी जंगल में गजराज नाम का एक छोटा हाथी रहता था। वह बहुत प्यारा और जिज्ञासु था। उसे हर नई चीज़ जानने की आदत थी उ वह जंगल में घूमता रहता था।

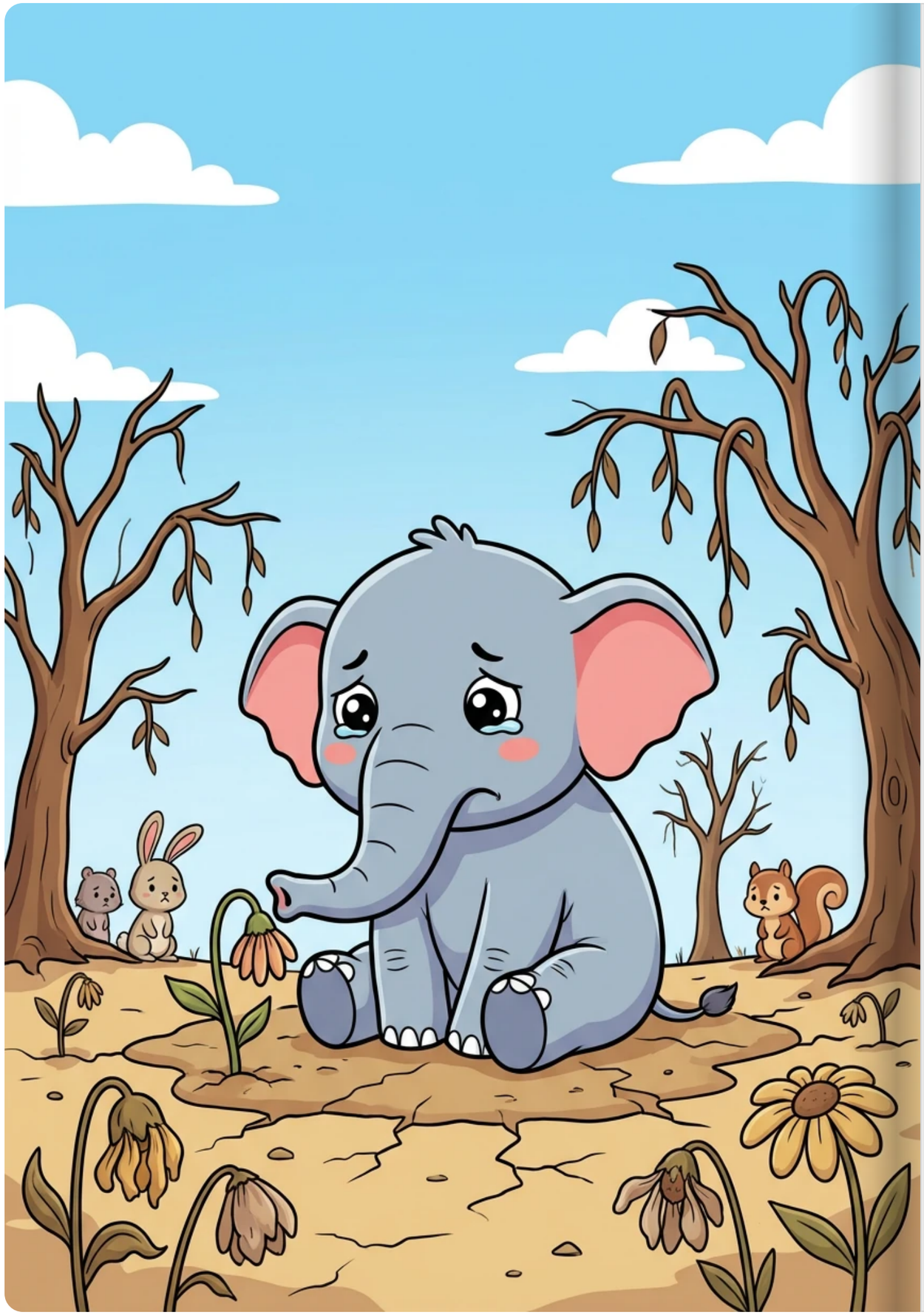

एक दिन जंगल में अजीब सी हलचल होने लगी। पेड़ सूखे-सूखे लगने लगे और फूल मुरझाने लगे। जानवर उदास हो गए, क्योंकि जंगल की रौनक कहीं चली गई थी।

गजराज ने सोचा कि अगर जंगल खुश नहीं है, तो सभी जानवर ९
खुश नहीं रह सकते। वह पूरे जंगल में घूमने निकल पड़ा और समस्या
कारण खोजने लगा।

रास्ते में गजराज ने देखा कि नदी का पानी धीरे-धीरे कम हो रहा और कई पेड़ पानी की कमी से झुक गए हैं। उसे समझ आया कि पानी कमी के कारण जंगल मुरझा रहा है।

गजराज ने अपनी सूंड से मिट्टी हटाकर पानी के रास्ते बनाए, ताकि नदी का पानी सूखे इलाकों तक पहुँच सके। उसने गिरे हुए बीजों को इकट्ठा करके फिर से बोया।

धीरे-धीरे जंगल फिर से हरा होने लगा। पेड़ों पर नई पत्तियाँ अ
गईं, फूल खिलने लगे और पक्षी फिर से चहचहाने लगे। जंगल पहले
भी ज़्यादा सुंदर हो गया।

सभी जानवर खुशी से रहने लगे और गजराज को धन्यवाद कहने लगे। गजराज जंगल का हीरो बन गया, लेकिन वह फिर भी पहले जैसे ही मासूम और खेलकूद करने वाला रहा।

जंगल ने सिखाया कि अगर दिल सच्चा हो और इरादा अच्छा, तं
छोटा सा प्रयास भी बड़ा बदलाव ला सकता है। गजराज की मेहनत रं
पूरा जंगल फिर से खुशहाल हो गया।

जंगल फिर से रंगीन हो गया और हर दिन एक नए सपने की तर
चमकने लगा। गजराज और उसके दोस्त हमेशा खुशी-खुशी जंगल में
रहते थे।